फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 273 प्रभात जयपुर, रविवार 5 मई, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

THOSE MESMERISING EYES AND BEAUTIFUL LIPS

She was called 'the unkissed girl,' Errol Flynn wanted to kiss her. She refused.

Dangerous Second-Hand Vapour

OF PAIN, POETRY & PERSISTENCE

During a recent session of *Qissewale* in Jaipur, poet Rithvik Singh Rathore shed light on the profound link between pain and poetry

ऐतिहासिक वृत्तांतों में, अब विलुप्त हो चुके कैलिफोर्निया ग्रिज़ली भालुओं को अक्सर, ऐसे विशालकाय व खून के प्यासे जंगली जानवरों की तरह दर्शाया जाता था, जो हमेशा मनुष्य व मवेशियों पर हमला करने को तत्पर रहते थे। लेकिन, वैज्ञानिकों का कहना है कि, वास्तविकता शायद इतनी नाटकीय नहीं थी। प्रोसीडिंग्स ऑफ द रॉयल सोसाइटी जर्नल में प्रकाशित एक पेपर के अनुसार, ग्रिज़ली भालू अधिकतर वैजिटेरियन डाइट खाते थे और जितना बताया जाता है, उससे साइज़ में काफी छोटे थे। एक समय कैलिफोर्निया में बड़ी संख्या में पाए जाने वाले ग्रिज़ली भालू उस समय संकट में आये जब यूरोप और फिर अमेरिका से लोगों ने यहाँ बसना शुरु किया। इन लोगों ने भालुओं के प्राकृतिक आवास क्षेत्रों को खत्म करना और विखंडित करना शुरु कर दिया। साथ ही ये लोग अक्सर भालुओं का शिकार करते और इन्हें ट्रैप करते थे। क्योंकि उन्हें डर था कि, भालू उनके मवेशियों को खा जाएंगे। समय के साथ, इन्सानी गतिविधियों के कारण, कैलिफोर्निया ग्रिज़ली भालुओं की आबादी में भारी कमी आ गई। आखिरी बार कैलिफोर्निया ग्रिज़ली भालू सौ साल पहले, वर्ष 1924 में नज़र आया था और उसके कुछ समय बाद ये पूरी तरह गायब हो गए। शोधकर्ता इन भालुओं की विलुप्ती के कारणों के साथ-साथ इनके व्यवहार, साइज़ और डाइट के बारे में जानना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने अभिलेखीय दस्तावेजों के साथ-साथ नैचुरल हिस्ट्री कलैक्शन के ग्रिज़ली नमूनों का अध्ययन किया। भालुओं के शरीर के आकार का अंदाज़ लगाने के लिए इनकी खोपड़ी और दांतों को नापा तथा रसायनिक तत्वों का पता लगाने के लिए इनकी हड्डियों व खाल का विश्लेषण किया। रसायनिक अध्ययन से वैज्ञानिक भालुओं की डाइट के बारे में पता लगाना चाहते थे। अध्ययन में सामने आया कि सौ साल पहले के कैलिफोर्निया ग्रिज़ली भालू का साइज़ आज के भालुओं जैसा ही था, ये लगभग 400 पाउण्ड के थे, जो कि उस समय के वृतांतों के 2000 पाउण्ड से बहुत कम हैं। साथ ही, इनकी हड्डियों व खाल की रासायनिक जांच से सामने आया कि, ये जानवर, 1542 में यूरोपियन्स के आने से पहले व बाद में, मुख्य रुप से पौधे खाते थे। यह बात भी उस धारणा के विपरीत है कि, सौ साल पहले कैलिफोर्निया ग्रिज़ली भालू भयावह और मांसभक्षी थे।

स्पैशल इन्वैस्टिगेशन टीम ने पहली गिरफ्तारी की कर्नाटक सीरियल रेप प्रकरण में

सीरियल रेपिस्ट प्रज्वल रैवन्ना के पिता एच.डी. रैवन्ना को उनके पिता पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के घर से स्पैशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) ने गिरफ्तार किया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। हासन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी प्रज्वल के पिता एच.डी. रैवन्ना की एक रेप पीड़िता के अपहरण में कथित संलिप्तता के आरोप में आज शाम गिरफ्तारी हुई। केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए गिरफ्तारी का इससे बुरा कोई समय नहीं हो सकता, क्योंकि कर्नाटक की शेष 14 लोकसभा सीटों के लिए 7 मई को वोटिंग है। बताया जाता है कि, कथित सीरियल रेपिस्ट प्रज्वल रैवन्ना जर्मनी भाग गया है। एक स्थानीय कोर्ट द्वारा उनके पिता एच.डी. रैवन्ना की अग्रिम जमानत याचिका निरस्त किए जाने के कुछ मिनट बाद उन्हें उनके पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के आवास से गिरफ्तार कर लिया गया।

- **एक 20 वर्षीय युवक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि, उसकी मां, जो रैवन्ना के निवास पर, आया का काम करती थी, अचानक गायब हो गयी थी तथा उस युवक का मानना था कि, उसकी मां का अपहरण किया है।**
- **जैसा कि विदित ही है, कर्नाटक में द्वितीय चरण के मतदान से ठीक पहले प्रज्वल रैवन्ना द्वारा कई महिलाओं का यौन शोषण करने व उनका दुष्कर्म करने के वीडियो उजागर होना जद (एस) व भाजपा को भारी पड़ सकता है, कर्नाटक में ही नहीं बल्कि पूरे देश में।**
- **प्र.मंत्री मोदी द्वारा प्रज्वल रैवन्ना के चुनावी मंच से यह कहने, कि रैवन्ना को वोट देकर आप मुझे मजबूत करें, का वीडियो भी वायरल हो रहा है। भाजपा की स्थिति काफी अटपटी हो गयी है तभा भाजपा द्वारा इस रेप के मुताल्लिक, कोई स्पष्टीकरण देना कुछ मायने नहीं रखता।**

जद (एस) के विधायक एच.डी. रैवन्ना को पुलिस की स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम ने उनके विरूद्ध दर्ज अपहरण के एक केस में गिरफ्तार किया।

एच.डी. रैवन्ना को जिस केस में गिरफ्तार किया गया है, वह एक 20 वर्षीय युवा की मां के कथित अपहरण से संबंधित है। इस युवा ने पुलिस में शिकायत की थी कि, रैवन्ना परिवार के फार्म हाउस में एक हाउस मेड के रूप में कार्य करने वाली उसकी मां लापता है। सीनियर रैवन्ना का संकट बढ़ता जा रहा है क्योंकि जो केस दर्ज किया गया है वह भारतीय दण्ड संहिता की धारा 364 ए (अपहरण) और धारा 365 (जबरन बंधक बनाना) के तहत दर्ज किया गया है और ये दोनों ही धाराएं गैर ज़मानती हैं।

रैवन्ना व अन्य द्वारा विभिन्न आयु वर्ग की अनेक महिलाओं के कथित बलात्कार व हमलों का खौफनाक व चौंकाने वाले केस का विस्फोट लोकसभा चुनावों के बीचों बीच हुआ है। और केवल कर्नाटक ही नहीं बल्कि देश भर में यह जद (एस) व भाजपा को भी जद (एस) से संबंध होने के कारण अवश्य ही झुलजाएगा। क्योंकि, सोशल मीडिया ने इस भयानक केस को देश के कोने-कोने में पहुँचा दिया है।

सत्तारूढ़ भाजपा के लिए एक भारी समस्या यह साबित हो रही है कि, वो कांग्रेस पर इसका दोष नहीं मढ़ पा रही है। भाजपा का कहना है कि, कांग्रेस को भी इन वीडियो के बारे में पता था और उसने इस पर कोई कार्यवाही नहीं की। लेकिन भाजपा की यह बात उसे इस बात से बरी नहीं करती है कि, रैवन्ना जैसे अपराधी से उसका निकट संबंध था।

भाजपा ने ना केवल बलात्कार के मामलों और सभी वीडियो की मौजूदगी को नज़रअंदाज किया बल्कि अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अपना मुस्लिम वोट बैंक खिसकता देख ममता बनर्जी बौखलायीं

ममता बनर्जी ने संदेशखाली प्रकरण को भाजपा द्वारा रचित व प्रस्तुत नाटिका बताया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। हर तरफ से घिरी हुई, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने अब चुनावी लाभ उठाने के लिए "स्कैण्डल" गढ़ने शुरु कर दिए हैं। वो आरोप लगा रही हैं कि, संदेशखाली में हुई नीचतापूर्ण घटनाएं, सब ड्रामा थीं, जिन्हें सोच समझकर रचा गया था।

एक बार फिर, अचानक ही राज भवन की एक महिला कर्मचारी ने आरोप लगाया कि, राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने उसका यौन शोषण किया है। राज्य पुलिस की एक टीम शीघ्रता से बिना समय गंवाए आरोपों की जाँच करने राजभवन पहुँच गई।

महिला कर्मचारी ने दावा किया कि, उसे राज्यपाल के खिलाफ हज़ारों शिकायतें मिली हैं। उसने कहा कि, राज्यपाल चुनावी क्षेत्रों के दौरे कर रहे हैं और नौकरी से हटाए गए शिक्षकों की तरफदारी कर रहे हैं।

- **और अब अचानक ही राजभवन में कार्यरत महिला कर्मचारी ने राज्यपाल आनंद बोस पर यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया।**
- **तथा आनन-फानन में पुलिस की एक टीम तत्परता से राजभवन पहुंच गई, यौन उत्पीड़न के मामले की तहकीकात करने।**
- **राज्यपाल की शायद गल्ती यह थी कि, उन्होंने संदेशखाली व अन्य स्थानों पर चुनाव क्षेत्र की यात्रा की और जमीनी हालत की जानकारी लेने का प्रयास किया।**

ममता बनर्जी ने अब दावा किया है कि, संदेशखाली की संपूर्ण घटना भाजपा द्वारा लिखी गई पटकथा के अनुसार घटी थीं। उन्होंने इस बात से इन्कार किया है कि, इस क्षेत्र में उनकी पार्टी के लोगों ने कोई गलत काम किया है। उनका कहना है कि, भाजपा के लोगों ने जमीनें हथियाने और महिलाओं के उत्पीड़न के बारे में बातें फैलाई हैं।

ममता आने वाले समय में बिगड़ते हुए राजनीतिक माहौल को महसूस कर रही हैं और भविष्य की संभावनाओं के संकेत समझते हुए वे मतदाताओं को धमकाए जाने तथा कम मतदान आदि की शिकायत कर रही हैं। उन्होंने चुनाव आयोग की मिली भगत का आरोप भी लगाया था।

जमीनी वास्तविकता यह है कि, मुस्लिम मतदाताओं का उनका वफादार वोट बैंक अब उनके खिलाफ हो गया है। मुसलमान अब खुले आम यह कहकर तृणमूल सुप्रीमो की आलोचना कर रहे हैं कि, उन्होंने अल्पसंख्यकों को "फुटबॉल" की तरह इस्तेमाल किया है। ममता द्वारा मुसलमानों जैसे कपड़े पहनने और मुसलमानों की सभा में कुछ मुस्लिम आयतें पढ़ने जैसे उनके व्यवहार की मुसलमान खुले आम आलोचना कर रहे हैं, क्योंकि, साथ-साथ ही वे मुस्लिम लड़कों को जेल और मौत की तरफ धकेल रही हैं।

अल्पसंख्यकों के वोट बंटने के कारण ममता बनर्जी डांवाडोल स्थिति में हैं और बचाव की मुद्रा में आ गयी हैं। ऐसा लगता है कि, विभिन्न खतरे सामने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रायबरेली में राहुल के मुकाबले दिनेश प्रताप सिंह

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। भाजपा ने रायबरेली से राहुल गांधी से मुकाबले के लिए उत्तर प्रदेश के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को चुनाव मैदान में उतारा है। उन्होंने वर्ष 2019 में सोनिया गांधी के खिलाफ रायबरेली से लोकसभा चुनाव

- **भाजपा ने राहुल गांधी के सामने दिनेश प्रताप सिंह को मैदान में उतारा है, जो पूर्व कांग्रेसी हैं।**

लड़ा था, जिसमें वह सोनिया गांधी की जीत के वोटों का अन्तर कम करने में सफल रहे थे।

दिनेश रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेसी सदस्यों से भली भांति परिचित हैं क्योंकि वह वर्ष 2018 तक स्वयं कांग्रेस में थे। वह उत्तर प्रदेश विधान परिषद में लगातार तीसरी बार सदस्य बने हैं। वर्ष 2019 में उन्हें 39.36 प्रतिशत वोट मिले थे जबकि सोनिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीसरे चरण की वोटिंग, आज अयोध्या के राम मंदिर जायेंगे मोदी

2019 के आम चुनाव की प्रक्रिया के बाद प्र.मंत्री मोदी की यह छठी यात्रा होगी अयोध्या की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। तीसरे दौर के मतदान से पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुसंख्यक हिन्दू मतदाताओं तक अपनी पहुंच बनाने के प्रयास के तहत वे एक बार पुन: 5 मई को धार्मिक शहर अयोध्या का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री के अयोध्या दौरे को लेकर अभी उनकी यात्रा के विस्तृत कार्यक्रम की प्रतीक्षा है, ऐसी संभावना है कि, मोदी राम मंदिर वाले शहर में एक रोड शो करेंगे, उस समय वे एस.यू.वी. वाहन में शहर भर में घूमेंगे और वे वहां जनसभा नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री की इस यात्रा से फैजाबाद के मौजूदा सांसद, लल्लू सिंह सहित आसपास के जिलों से पार्टी के उम्मीदवारों को भी लाभ होने की संभावना है।

- **मोदी रविवार को तीन बजे इटावा पहुंचेंगे और फिर धौरहरा लोकसभा क्षेत्र में जायेंगे तथा शाम सात बजे राम मंदिर दर्शन हेतु अयोध्या पहुंचेंगे।**
- **वे अयोध्या में एक एस.यू.वी. में रोड शो करेंगे पर आम सभा का आयोजन नहीं किया गया है।**
- **भाजपा को आशा है कि, प्र.मंत्री की अयोध्या यात्रा से यू.पी. के शेष बचे चरणों के मतदान पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। ऐसा महसूस किया जा रहा था कि, राम मंदिर के निर्माण से प्रज्ज्वलित उत्साह की शक्ति कुछ कमज़ोर पड़ने लगी और अब प्र.मंत्री की अयोध्या यात्रा इस अग्नि को फिर जोर-शोर से प्रज्ज्वलित करने में घी की आहूति का काम करेगी।**

विशाल "प्राण प्रतिष्ठा" महोत्सव में केन्द्रीय मंत्री व अनेक मुख्यमंत्रियों सहित भारी तादाद में भाजपा नेता मौजूद थे। पर्यवेक्षकों का कहना है कि, इस बार के चुनावों में भाजपा की हिन्दुत्व की अपील उस स्तर पर प्रतिध्वनित नहीं होगी जिस स्तर पर पहले हुई थी। पर भाजपा नेताओं को भरोसा है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में आप के तीन प्रत्याशियों ने नामांकन भरा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। आम आदमी पार्टी (आप) के तीन प्रत्याशियों ने 25 मई को दिल्ली में होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए शनिवार को रोड शो के जरिए नामांकन पत्र दाखिल करने पहुंचे।

- **नामांकन भरते समय आप ने अपनी ताकत दिखाने के लिए रोड शो किया, जिसमें कांग्रेस ने भी शिरकत की।**

इस मौके पर रोड शो किया गया इसमें समर्थन प्रदर्शित करने के लिए कांग्रेस व आप दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता शामिल हुए, यह एक तरह से इंडिया अलायंस का विशाल प्रदर्शन था। दिल्ली में सोमवार तक नामांकन पत्र दाखिल किया जा सकेगा।

सोमनाथ भारती (49 वर्ष) ने उनका नामांकन पत्र नई दिल्ली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस कर्नाटक के सीरियल रेप प्रकरण को पूरी तरह दुह रही है चुनाव में

राहुल गांधी ने कर्नाटक के मु.मंत्री को पत्र लिखा कि, सीरियल रेपिस्ट प्रज्वल रैवन्ना को कठोरतम दण्ड मिलना चाहिए

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। कर्नाटक की शेष 14 लोकसभा सीटों के लिए 7 मई को होने जा रहे मतदान के द्वितीय एवं अंतिम चरण से पूर्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रज्वल रेवन्ना रेप काण्ड का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया को निर्देश दिए कि पीड़िताओं को आसन्न खतरे की खबरों के मद्देनज़र उनको तुरन्त प्रभाव से हर संभव सहायता दी जाए। मीडिया में पहले ये खबरें आ चुकी हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पौत्र प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराने वाली महिला गायब है। आशंका है कि उसका अपहरण कर लिया गया है।

राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया कि वह इस घृणित अपराध के जिम्मेदार सभी लोगों का न्याय के कटघरे में खड़ा होना सुनिश्चित करे। केन्द्र की भाजपा सरकार के राज में महिलाओं के विरूद्ध हो रहे कथित अत्याचार के मुद्दे पर अपने प्रहार का दायरा विस्तृत करते हुए राहुल ने कहा कि हरियाणा की महिला पहलवानों से लेकर मणिपुर की बहनें तक इसका खामियाजा भुगत रही हैं। राहुल ने इस पर दु:ख प्रकट किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस तरह के अपराधियों का समर्थन किया।

- **राहुल गांधी ने पत्र में यह भी लिखा कि, चाहे भारतीय महिला कुश्ती टीम के सदस्यों के यौन शोषण का मामला हो या मणिपुर में हमारी बहिनों पर हुए बलात्कार व उनके अत्याचारों का प्रकरण हो और अब कर्नाटक में भाजपा के चुनावी गठबंधन के एक साथी व लोकसभा चुनाव के उम्मीदवार प्रज्वल रैवन्ना द्वारा सैकड़ों महिलाओं का कई सालों तक यौन शोषण व बलात्कार का प्रकरण है, प्र.मंत्री मोदी की चुप्पी बहुत शर्मनाक बात है।**

राहुल गांधी ने अपने पत्र में कहा कि "राजनीति के मेरे दो दशकों के करियर में मैंने ऐसा एक भी सीनियर जन प्रतिनिधि नहीं देखा जिसने महिलाओं पर हो रहे अनकहे अत्याचारों पर निरंतर चुप्पी साधे रखना बेहतर समझा हो।

राहुल के पत्र में कहा गया है कि सत्तारूढ़ भाजपा की सहयोगी जे.डी. (एस.) के प्रत्याशी एवं हासन सांसद "प्रज्वल रेवन्ना ने कई सालों तक कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया और उसकी फिल्म भी बनायी। हमारी मां-बहनों के साथ कुकृत्य करने की कठोरतम सजा मिलनी चाहिए।"

"मुझे यह जानकर बड़ी हैरानी हुई है कि जी. देवराजे गौड़ा ने दिसम्बर 2023 में हमारे गृह मंत्री अमित शाह को प्रज्वल रेवन्ना की हरकतों के बारे में सूचित कर दिया था, खासतौर से यौन हिंसा के उनके इतिहास और उनके द्वारा फिल्माए गए सभी वीडियो के बारे में।"

भाजपा नेता देवराजे गौड़ा ने प्रज्वल के पिता एच.डी. रेवन्ना के खिलाफ वर्ष 2023 में होलीनारासिपुरा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़कर जीत हासिल की थी।

राहुल ने कहा कि "अधिक हैरानी की बात तो यह है कि इतने वीभत्स आरोप लगने के बावजूद भाजपा के शीर्ष नेतृत्व प्रधानमंत्री ने इस सीरियल रेपिस्ट के लिए चुनाव प्रचार किया। राहुल ने एक और अधिक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने जानबूझकर प्रज्वल को भारत से भागने दिया ताकि इस मामले की कोई अर्थपूर्ण जाँच ना की जा सके।"

मुख्यमंत्री को राहुल गांधी का पत्र शुक्रवार को मिला। यह वो दिन था जब हासन जिला पंचायत के एक पूर्व सदस्य ने प्रज्वल के खिलाफ दूसरी एफ.आई.आर. दर्ज करवायी थी। इस केस से देश स्तब्ध रह गया है और यह दूरस्थ पश्चिम बंगाल के वोटर्स को भी आंदोलित कर रहा है, जहाँ संदेशखाली में भाजपा ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों को एक बड़ा मुद्दा बनाया था। प्रज्वल के पिता एच.डी. रेवन्ना के खिलाफ भी अपहरण का केस दर्ज किया गया है। एफ.आई.आर. के अनुसार प्राइवेट वीडियो में जिस कथित महिला का फिल्मांकन किया गया था, बताया जाता है कि विधायक के साथियों ने उसका अपहरण कर लिया है।

इस केस की गुत्थी सुलझाने के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा गठित स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) ने एच.डी. रेवन्ना के घर का मौका-मुआयना किया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अरविन्दर सिंह लवली की भाजपा में वापसी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। अरविन्दर सिंह लवली (55) दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के कुछ दिन बाद शनिवार को भाजपा में लौट आए। केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की

- **कांग्रेस छोड़ने के कुछ दिन बाद ही अरविन्दर सिंह लवली ने चार अन्य पूर्व कांग्रेसी नेताओं के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली।**

उपस्थिति में कांग्रेस के चार पूर्व नेता भी उनके साथ भाजपा में शामिल हुए। लवली वर्ष 2017-18 में भाजपा में थे, लेकिन इससे पहले वह वर्ष 1998 से 2017 तक और फिर 2018 से 2024 तक कांग्रेस में रहे।

अरविन्दर लवली ने कांग्रेस और इण्डिया गठबंधन की सहयोगी आम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)